

‘हिन्दी भाषा एवं व्याकरण का सामान्य परिचय’

भाषा के विविध रूप:-

बोली - एक क्षेत्र विशेष में विचार अभिव्यक्ति का जो माध्यम होता है, उसे बोली कहते हैं, बोली का क्षेत्र बहुत ही सीमित होता है -

जैसे - बघेली, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी, अवधी

उपबोली - एकाधिक स्थानीय बोलियाँ मिलकर उपबोली का निर्माण करती हैं -

जैसे - अवधी में पश्चिमी जौनपुर की बनौधी उपबोली

उपभाषा- एकाधिक बोलियों मिलकर उपभाषा का निर्माण करती हैं, अर्थात् जब किसी बोली में साहित्य की रचना हो जाती है तो वह उपभाषा का रूप धारण कर लेती है-

जैसे- पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी

भाषा- एकाधिक उपभाषाएँ मिलकर भाषा का निर्माण करती हैं अर्थात् जब दो या दो से अधिक उपभाषाएँ मिलकर एक हो जाती हैं, तो उन्हें भाषा कहते हैं-

जैसे- हिंदी भाषा के अंतर्गत पूर्वी हिंदी व पश्चिमी हिंदी आदि

राजभाषा- किसी राज्य विशेष में सरकारी कामकाज करने हेतु जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसे राजभाषा कहते हैं-

जैसे- गुजरात में गुजराती, पंजाब में पंजाबी, बिहार में बिहारी, असम में असमिया, बंगाल में बांग्ला इत्यादि

राष्ट्रभाषा- किसी राष्ट्र में सार्वजनिक रूप से प्रयुक्त होने वाली भाषा, जिसका प्रयोग संपूर्ण राष्ट्र में किया जाता है, अर्थात् राष्ट्र के अधिकांश भाग में सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा, राष्ट्रभाषा कहलाती है-

मातृभाषा- माता के मुख से बोली जाने भाषा मातृभाषा कहलाती है अर्थात् वह भाषा जिसका प्रयोग 'घर, परिवार या समाज' में किया जाता है, मातृभाषा कहलाती है।

राजनयिक भाषा- जो भाषा एक देश से दूसरे देश के मध्य राजनयिक या पत्र व्यवहार हेतु प्रयुक्त की जाती है, राजनयिक भाषा कहलाती है-

विशेष- राजनयिक भाषा अत्यंत शिष्ट और औपचारिक भाषा होती है।

व्याकरण - वि + आ + कर्ण = 'भली-भाँति समझना'

व्याकरण एक ऐसा ग्रंथ है जो किसी भाषा को भलीभाँति समझने के लिए प्रयोग किया जाता है, अर्थात् व्याकरण एक ऐसा ग्रंथ है जो किसी भाषा के शुद्ध उच्चारण, शुद्ध लेखन और शुद्ध प्रयोग करना सिखाता है।

हिन्दी व्याकरण को तीन भागों में बाँटकर पढ़ा जाता है-

① वर्ण विचार

② शब्द विचार

③ वाक्य विचार

वर्ण विचार

वर्ण- भाषा की वह छोटी से छोटी इकाई जिसके ओर अधिक धुकेड़े जा किये जा सकें अर्थात् लिखित रूप से भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाता है-

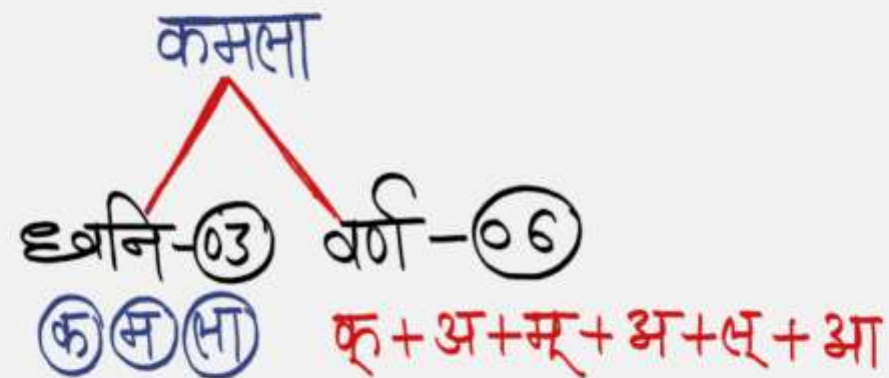
जैसे- क, ग, च, ज, द, इ, त, ध, प, भ, य, स, अ, इ इत्यादि

विशेष- वर्ण को दो भागों में बांटा जाता है-



ध्वनि- मौखिक रूप से भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि होती है, अर्थात् जब किसी अक्षर अथवा वर्णों के समूह को मौखिक रूप दे दिया जाता है तो उसे ध्वनि कहते हैं-

वर्ण और ध्वनि में अंतर:-



अक्षर - अ + क्षर = 'जिसका नाश नहीं'
 नहीं नाश

मुख के द्वारा उच्चारित वह ध्वनि जिसका नाश नहीं हो अर्थात् हवा के एक ही प्रवाह में बोली जाने वाली ध्वनियाँ, अक्षर कहलाती हैं-

जैसे - राम्, ओड़म्